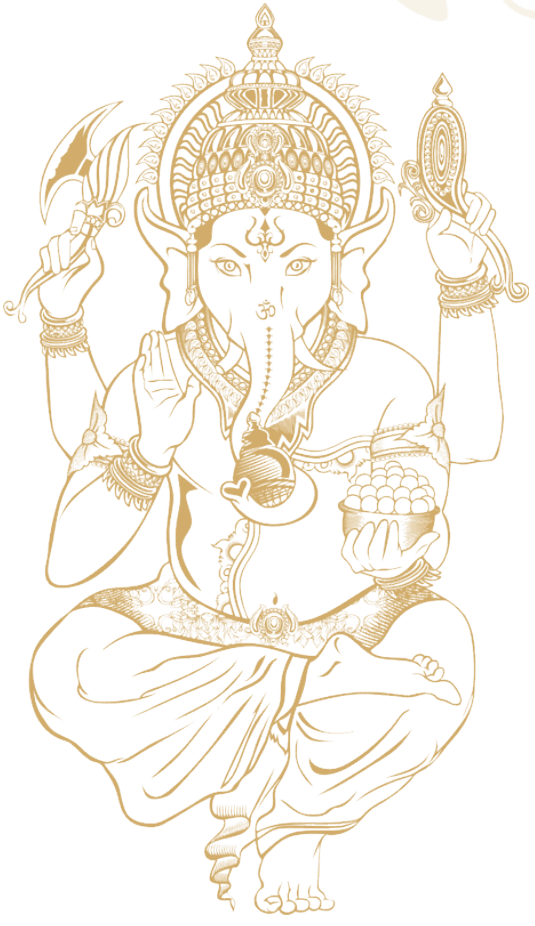

Anjali

17 Jul 1996

01:05 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/07/1996**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**13:05:00 घंटे**
इष्ट	19:38:35 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:08:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:08 घंटे
साम्पातिक काल	08:50:10 घंटे
सूर्योदय	05:13:33 घंटे
सूर्यास्त	18:51:19 घंटे
दिनमान	13:37:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:11:20 कर्क
लग्न के अंश	13:50:12 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:50:12	313:45:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कर्क	01:11:20	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	19:03:18	11:50:33	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	स्वराशि
मंगल			मिथु	00:27:13	00:40:57	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	कर्क	08:02:45	02:02:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	17:20:11	00:07:17	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	स्वराशि
शुक्र			वृष	21:52:01	00:28:55	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			मीन	13:35:19	00:00:09	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कन्या	17:12:06	00:11:15	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	17:12:06	00:11:15	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	09:06:50	00:02:22	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व		मक	02:35:37	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:40:55	00:00:46	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	16:17:06	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:36

लग्न-चलित

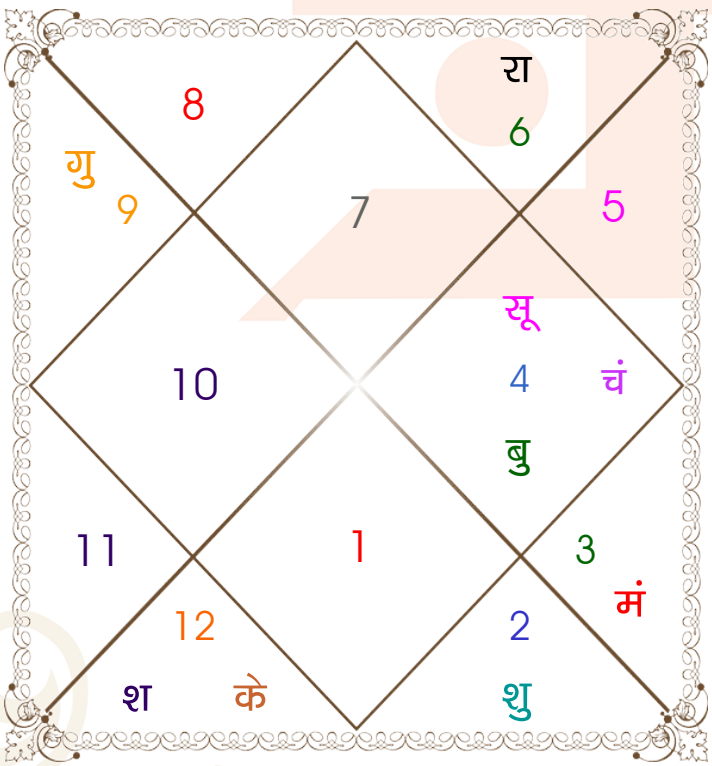

चन्द्र कुंडली

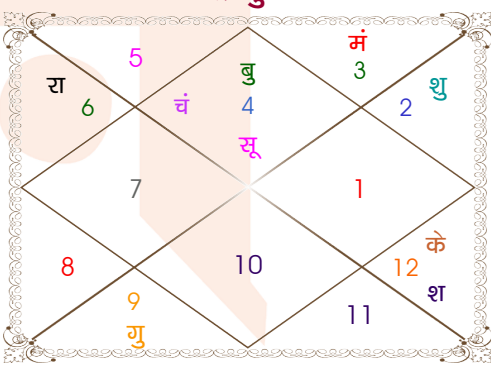

नवमांश कुंडली

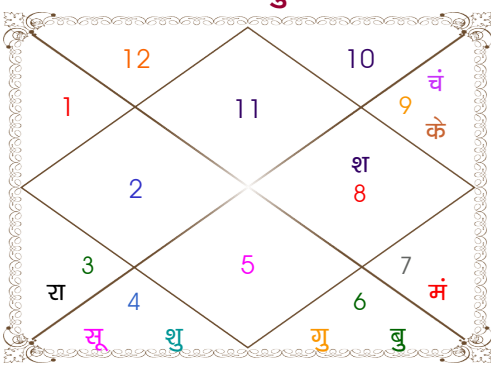

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 11 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/07/1996		01/07/2010		01/07/2017		01/07/2037		01/07/2043	
01/07/2010		01/07/2017		01/07/2037		01/07/2043		01/07/2053	
	17/07/1996	केतु	27/11/2010	शुक्र	30/10/2020	सूर्य	18/10/2037	चंद्र	01/05/2044
केतु	24/11/1996	शुक्र	27/01/2012	सूर्य	31/10/2021	चंद्र	19/04/2038	मंगल	30/11/2044
शुक्र	24/09/1999	सूर्य	03/06/2012	चंद्र	01/07/2023	मंगल	25/08/2038	राहु	01/06/2046
सूर्य	31/07/2000	चंद्र	02/01/2013	मंगल	30/08/2024	राहु	20/07/2039	गुरु	01/10/2047
चंद्र	30/12/2001	मंगल	31/05/2013	राहु	31/08/2027	गुरु	07/05/2040	शनि	01/05/2049
मंगल	28/12/2002	राहु	19/06/2014	गुरु	01/05/2030	शनि	19/04/2041	बुध	30/09/2050
राहु	16/07/2005	गुरु	26/05/2015	शनि	01/07/2033	बुध	23/02/2042	केतु	01/05/2051
गुरु	22/10/2007	शनि	04/07/2016	बुध	01/05/2036	केतु	01/07/2042	शुक्र	30/12/2052
शनि	01/07/2010	बुध	01/07/2017	केतु	01/07/2037	शुक्र	01/07/2043	सूर्य	01/07/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/07/2053		01/07/2060		01/07/2078		01/07/2094		02/07/2113	
01/07/2060		01/07/2078		01/07/2094		02/07/2113		00/00/0000	
मंगल	27/11/2053	राहु	14/03/2063	गुरु	18/08/2080	शनि	04/07/2097	बुध	28/11/2115
राहु	15/12/2054	गुरु	06/08/2065	शनि	02/03/2083	बुध	14/03/2100	केतु	18/07/2116
गुरु	21/11/2055	शनि	12/06/2068	बुध	06/06/2085	केतु	23/04/2101		00/00/0000
शनि	30/12/2056	बुध	31/12/2070	केतु	13/05/2086	शुक्र	22/06/2104		00/00/0000
बुध	27/12/2057	केतु	18/01/2072	शुक्र	11/01/2089	सूर्य	04/06/2105		00/00/0000
केतु	25/05/2058	शुक्र	18/01/2075	सूर्य	31/10/2089	चंद्र	04/01/2107		00/00/0000
शुक्र	26/07/2059	सूर्य	13/12/2075	चंद्र	02/03/2091	मंगल	12/02/2108		00/00/0000
सूर्य	30/11/2059	चंद्र	12/06/2077	मंगल	05/02/2092	राहु	19/12/2110		00/00/0000
चंद्र	01/07/2060	मंगल	01/07/2078	राहु	01/07/2094	गुरु	02/07/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।